उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद

वार्षिक प्रगति आख्या

2022–23

उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद

2. राणा प्रताप मार्ग, मोती महल,लखनऊ

Upccw website:http;//upccw.org.in, Email id upccw1953@gmail.com

उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद

द्वारा वर्षानुक्रम
संचालित गतिविधियॉ
सार–संक्षेप

1950–51 भावी पीढ़ी के उत्थान हेतु ''स्टेट कमेटी फार चिल्ड्रेन'' के नाम से समिति का अभ्युदय।

निम्नांकित महानुभाव समिति के संस्थापक सदस्य रहे हैः–

1. लेडी जरबाई मोदी, धर्मपत्नी गवर्नर सर सच.पी. मोदी।
2. डा0 (श्रीमती) हेम सनवाल
3. श्री हरगोविन्द मिश्रा
4. श्रीमती जे0 एम0 चार्ल्स
5. डा0 जी0बी0 कबराजी
6. श्रीमती कमला भार्गव
7. श्रीमती प्रेम चौधरी
8. कैप्टन ए0 पी0 बाजपेयी

प्रारम्भिक कार्यकलाप (ग्रामोत्थान)

1951 बच्चों का बाल मेला, जरूरतमंद बच्चों को दूध एवं मध्यान भोजन देना प्रारम्भ किया गया।

1953 समिति '' उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद'' के नाम से पंजीकृत हुई तथा भारतीय बाल कल्याण परिषद से उसकी राजकीय शाखा के रूप में सम्बद्ध हुई।

1955–56 मोती नगर, लखनऊ में निराश्रित बच्चों के लिए लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह अध्यक्ष एवं तत्कालीन गवर्नर श्री के. एम. मुंशी की पत्नी द्वारा स्थापना श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा भवन का शिलान्यास एवं भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया।

1958 सरोजनी नायडू पार्क में बाल पुस्तकालय भवन का निमार्ण काय प्रारम्भ किया

1959 गया।

1960 भारतीय बाल कल्याण परिषद के प्रतिरूप उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद के

1961 संविधान का परिमार्जन।

1959–60 परिषद का कार्यकाल "मोती महल" में स्थापित किया गया।

1960–61 नैनीताल में "बाल ग्रीष्म कालीन शिविर"।

1961–62 नगर पालिका स्कूल नरही में दोपहर का भाजन वितरण।

1962–63 बाल सेविका सेन्टर, लखनऊ में प्रारम्भ।

1965–66 पेपर मिल कालोनी में "चाइल्ड गाइडेन्स क्लीनिक" का प्रारम्भ।

1966–67 जनपदों मे जिला बाल कल्याण समिति की स्थापना।

1967–68 कल्याणकारी गतिविधियों हेतु धनसंग्रह के लिए रैफल का आयोजन।

1968–69 पेपरमिल कालोनी, निशातगंज में बालबाड़ी की स्थापना।

1969 कु0 मंजू गुप्ता को हार्टसर्जरी के लिए इंग्लैण्ड भेज गया।

1969–70 नरही लखनऊ में निर्धन महिलाओं एवं बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सालय की स्थापना।

1970–71 विभिन्न जनपदों में पुष्टाहार युक्त 79 बालबाड़ियों की स्थापना।

1971–72 सेव द चिल्ड्रेन फण्ड यू0के0 आर्थिक सहयोग से जनपद उन्नाव एवं बाराबंकी के तीन ग्रामों में रूलर फ्लड प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया।

1973–74 तेलीबाग, लखनऊ में "बालबाड़ी भवन" का निर्माण, भारतीय बाल कल्याण परिषद से बच्चों की शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता का मिलना प्रारम्भ।

1974–75 तत्कालीन राज्यपाल महामहिम श्री अकबर अली खॉ द्वारा हरिद्वार बाल सेविका ट्रेनिग सेंन्टर का उद्धाटन।

1977–78 परिषद की स्थापना के पच्चीस वर्ष होने पर रजत जयन्ती मनायी गयी।
दो दिवसीय सेमिनार '' बाल कल्याण में समस्याऐं'' विषय पर आयोजित।
कामकाजी धात्री महिलाओं के लिए विभिन्न जनपदों में 15 बाल बिहार का प्रारम्भ।

1979 परिषद को उ0प्र0 सरकार द्वारा पुरस्कार की प्राप्ति।

1979–80 लीलावती मुंशी बालगृह, मोतीनगर के परिसर में होम्योपैथिक चिकित्सालय के संचालन हेतु भवन का निर्माण एवं डिस्पेन्सरी की स्थापना।

1981–82 विभिन्न जनपदों में 21 आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना। राष्ट्रीय पुरस्कार से परिषद का अलंकरण।

1986–87 आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्रों पर सुपरवाइजर एवं अनुदेशिकाओं के लिए यूनीसेफ के आर्थिक सहयोग ' सम्पुष्टिकरण कार्यक्रम' प्रारम्भ। नार्वे की विकास एवं सहयोग की एजेन्सी '' नोराड'' की वित्तीय सहायता से प्रदेश
में शैक्षिक खिलौना निर्माण कार्यशालाओं का शुभारम्भ।

1987–88 स्वीडिंश राज्य के वित्तीय सहायता से लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह, मोतीनगर परिसर में ''एडाप्सन सेन्टर'' की स्थापना।

1990–91 प्रदेश के तीन जनपदों क्रमशः अलीगढ़,मुरादाबाद, फिरोजाबाद में ''बाल श्रमिक परियोजना'' की स्थापना।

1992–93 उत्तरी भारत में भयंकर भूचाल से ग्रस्त लोगों की सहायता हेतु धनराशि इकट्ठा की गयी एवं उत्तरकाशी के पीड़ितों को बड़ी मात्रा में सामग्री का वितरण किया गया। समिति के कल्याणकारी योजनाओं के संचालन हेतु'' जगजीत सिंह म्यूजिकल नाईट'' आयोजित करके धन एकत्रित किया गया। आई0टी0 सी0 के आर्थिक सहयोग से कानपुर रोड पर दरोगा खेड़ा, लखनऊ में '' परिवार कल्याण केन्द्र'' स्थापित किया गया।

1993–94 प्रदेश में बाल कल्याण एवं विकास के चार दशक का इतिहास विषय में एक दिवसीय सेमिनार का आयाजन।

" स्ट्रीट चिल्ड्रेन परियोजना" की स्थापना।

राधारमण मेमोरियल एवार्ड से परिषद का सम्मान।

1994–95 यूनीसेफ के आर्थिक सहयोग से एक दिवसीय सेमिनार "बाल अधिकार क्षमताऐं एवं सम्भावनाऐं का आयोजन।

1995–96 बालबाड़ी, बाल बिहार व पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों की शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण। उ0प्र0 के दो मण्डलो (मेरठ ओर फैजाबाद) के समस्त जनपदों में से एक एक विकास खण्ड के समेकित बाल विकास परियोजना में शालापूर्व शिक्षा के कार्यकर्ताओं एवं सहभागियो का प्रशिक्षण।

लोलावती मुंशी निराश्रित बालगृह की दो संवासिनियों का विवाह सम्पन्न किया गया।

बाल भवन का निर्माण प्रथम चरण कार्य पूर्ण।

1996–97 बाल दिवस के अवसर पर आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताऐं एवं बाल रैली का आयोजन।

लखनऊ जनपद की तीन विकास खण्डों के ग्रामों में स्वचलित ड्वाकरा उद्योग में कार्यरत महिलाओं के बच्चों की देखभाल हेतु10 क्रेश की स्थापना एवं जन जागरण, साक्षरता प्रशिक्षण।

कानपुर रोड पर 5 एकड़ वन भूमि पर बाल भवन का निर्माण कार्य।

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह की एक संवासिनी का विवाहोत्सव सम्पन्न।

1997–98 बाल दिवस समारोह

दिनांक 18.11.97 बाल रैली।

स्वतंत्रता की 50वीं वर्ष गांठ पर दिनांक 26.11.97 को "बच्चों के मध्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानी" कार्यक्रम का वृहद स्तर पर आयोजन।

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों की स्थापना

1998–99 केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड द्वारा 14 क्रेश की स्वीकृति।

पर्यावरण की सुरक्षा एवं देखभाल विषय की सुरक्षा एवं देखभाल विषय पर एक दिवसीय जनजागरण गोष्ठी का आयोजन।

दिनांक 14.11.98 को 8 विकलांग बालक/बालिकाओं को व्हील चेयर का वितरण।

1999–2000 दिनांक 14 नवम्बर 99 को 9 बालक/बालिकाओं को ट्राई–साइकिल,कैलीपर व्हील चेर का विवरण।

2000–01 रैनबसेरा का संचालन एवं चाइल्ड लाइन की स्थापना।

2001–02 स्वशक्ति समूह सदस्यों का टेलीकान्फ्रेंसिग के माध्यम से प्रशिक्षण।

2002–03 बाल विवाह रोको अभियान।

2003–04 दिनांक 12 अक्टूबर, 2003 को ''राष्ट्रीय नाट्य अकादमी, नई दिल्ली में "राजकुमार एवं पोलू'' नाटक की प्रस्तुति।

2004–05 12 मई 2004 को बालगृह की संवासिनी कु0 अनीता का विवाहोत्सव।

17 जुलाई 04 '' शहीदों ने लौ जगाई जो'' प्रस्तुति बालगृह की संवासिनी राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ।

19 मार्च,05 स्ट्रीट बच्चों द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भ्रमण।

2005–06 जिला बाल कल्याण परिषद, मुरादाबाद द्वारा 30 क्रेश केन्द्रों का दिनांक 01.02. 06 से मुरादाबाद–10, रामपुर–10 तथा बरेली–10 में शुभारम्भ।

30 मई,2005 को ''एच0आई0वी0'' अभिमुखीकरण कार्यक्रम द्वारा ''एहसास'' संस्था।

31 जनवरी 2006,''परवाज'' सांस्कृतिक कार्यक्रम।

17–18 फरवरी, 2006 ''बाल ज्ञान गोष्ठी'' द्वारा आयोजित केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, भारत सरकार।

2006–2007 14 नवम्बर,07 "एडाप्सन जागरूकता समारोह" बालभवन लखनऊ।

20–30 जनवरी,07 "राजीव गांधी राष्ट्रीय क्रेश योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

23 फरवरी,07 55 क्रेश केन्द्रो का शुभारम्भ।

9 मार्च,07 परिषद के अध्यक्ष महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा वीरता पुरस्कृत बच्चों का सम्मान।

2007–08 26 अप्रैल,07 ''शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक विकास।'' शिविर द्वारा खुशी फाउण्डेशन।

18 जुलाई, 2008 क्रेश कार्यकत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम।

14 नवम्बर,07 'एडाप्सन जागरूकता शिविर' गोमतीनगर, लखनऊ।

2008–09 13 जुलाई, 08 बालगृह की संवासिनी कु0 प्रीति व अन्य बच्चों का संगीत,संजीव प्रसारण समय 1.00 बजे– सहारा समय।

20 नवम्बर, 2008 ''युवा महोत्सव, 2008''।

1 अगस्त 20 नये क्रेश केन्द्रां का संचालन।

2009–10 19 नवम्बर,2009 सांस्कृतिक एवं स्वरोजगार विकास कार्यक्रम द्वार श्री सत्य साई सेवा समिति।

30 नवम्बर,2009 रंगोली व मेंहदी प्रतियोगिता द्वारा सेवा संकल्प।

08 मार्च, 2010 सेमीनार का आयोजन ''बालिका बचाओ''।

2010–11 11 अप्रैल,2010 तीन निराश्रित वयस्क संवासिनियों का विवाहोत्सव18 नवम्बर,2010''बाल विवाह रोको अभियान'' तथा 26 वयस्क निर्धन कन्याओं का विवाहोत्सव।

03 जनवरी, 2011 से ''राष्ट्रीय अन्धता निवारण'' कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद लखनऊ,।

17,जनवरी,2011तक लखनऊ,उन्नाव,हरदोई एवं सीतापुर के कुल652 मरीजों का सफल नेत्र आपरेशन।

2011–12 बाल क्रेश केन्द्रों की स्थापना।
निराश्रित वृद्धा आश्रम की स्थापना।

मार्च, 31 2012 तक जनपद लखनऊ, उन्नाव हरदोई एवं सीतापुर के कुल 375 मरीजों का सफल नेत्र परीक्षण।

2012–13 14 अप्रैल,12 कु0 पूजा का विवाहोत्सव समारोह।

08 जून, 12"दुश्वारियों का चक्रव्यूह तोड़ सपने बुन रही बेटियाँ"सफलता की खुशी परीक्षा परिणाम।

25 जून, 12 "वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम" की स्थापना।

8 जुलाई,12 वृक्षारोपड़ बाल भवन, दरोगाखेड़ा, लखनऊ।

17 एवं 18 अगस्त,12 नार्थ जोन मीट एवं सेमीनार " बालिका संरक्षण"

10 नवम्बर,12 "राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता, 2012 का आयोजन।

16 जनवरी,12 दिल्ली में दुर्भाग्यपूर्ण नृशंस बलात्कार काण्ड क विरोध में सृजित "मानव श्रंखला"।

16 जनवरी, 13 कु0 शोभा का विवाहोत्सव समारोह।

18 जनवरी, 13 प्रदेश के चार वीर बालकों का "राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार–1 सम्मान।

15 फरवरी, 13 "बाल विवाह रोको" अभियान। 42 निर्धन बालिकाओं का विवाहोत्सव।

18 फरवरी, 13 महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा वीर बालकों का सम्मान एवं पुरस्कार।

	08 मार्च, 13	"अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन।
	27 मार्च, 13	महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा "निराश्रित संवासिनियों को उपहार"।
2013–14	07 मई, 13 से 36वाँ राष्ट्रीय शिविर, 2013	
	12 मई,2013तक लर्न टू लिव टू गेदर" कैम्प का बालभवन दरोगाखेड़ा में आयोजन।	
	02 सितम्बर,2013	मा0 अंकित के दिल का आपरेशन (एस0पी0जी0आई0, रायबरेली रोड, लखनऊ)।
	28 अक्टूबर, 2013	आपदा पीड़ित केदारनाथ एवं बद्रीनाथ के बच्चों को राहत सामग्री का वितरण।
2014–15	16 जुलाई, 2014	नारी सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम।
	07 दिसम्बर, 2014	तीन संवासियों का विवाहोत्सव।
	08 मार्च, 2015	संगोष्ठी का आयोजन विषय " महिला एवं बच्चों के प्रति घटित अपराधों की रोकथाम में सामाजिक संस्थाओं, समाजसेविकाओं तथा मीडिया, की भूमिका एवं जागरूकता"
2015–16	11 दिसम्बर 2015	सेनेटरी नैपकिन की निर्माणशाला का शुभारम्भ।
	28 जनवरी,2016	नेपाल में आये भीषण भूकम्प त्रासदी हेतु जनमानस की सहायता रू0–22,500/–
	08 मार्च, 2016	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिलाओं और बालिकाओं के प्रति घटित हिसक अपराधो के विरूद्ध जागरूकता" विषयक सेमीनार एवं वीरांगना सम्मान–2016 का आयोजन सन्त गाडगे जी प्रेक्षागृह, गोमतीनगर, लखनऊ।
		"अन्धता निवारण कार्यक्रम" कुल 1,240 मरीज।
2016–17	14 जून, 2016	विदेशी (श्रीलंका) निवासी 32 वर्षीय महिला का सकुशल परिवार में पुर्नवासन।
	12 नवम्बर, 2016	"हिना" का विवाहोत्सव।
	01 दिसम्बर,2016	"बालोदय प्रतिभा सम्मान–16" कु0 काजल कौशल, द्वारा सुल्तानपुरी साहित्य संस्थान, लखनऊ।
	08 मार्च, 2017	"अपराधो के रोकथाम हेतु विधायी निकायो में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व।
	15 मार्च, 2017	"स्वच्छता पखवाड़ा" सहयोग सचिव, उ0प्र0 राज्य समाज कल्याण बोर्ड, लखनऊ।
2017–18	24 मई, 2017	लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव,17 एवं शोभा भार्गव हाल का उद्घाटन।

20 सितम्बर.2017 महिलाओं और बच्चों में होने वाले सामाजिक अपराध के खिलाफ विरोध शान्ति प्रदर्शन एवं प्रद्युमन की श्रद्धाजलि सभा।

14 नवम्बर,2017 "बाल मेला" बाल भवन, दरोगा खेड़ा।

12 जनवरी,2018 "कौशल विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम"।

08 मार्च, 2018 "एक शाम गुड्डी और निर्भया के नाम" काव्य गोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान।

2018–19

18 अप्रैल,2018 तीन संवासिनियों का विवाहोत्सव।

24 मई, 2018 लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव,18 तथा उत्कृट बच्चों का सम्मान।

25 फरवरी,2019 होम्योपैथिक धर्माथ चिकित्सालय बाल भवन दरोगाखेड़ा,में शुभारम्भ।

08 माच,2019 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "वर्तमान परिवेश में महिलाओं की सुरक्षा–आधी आबादी का शोषण कबतक "एवं वीरांगना सम्मान"।

2019–20

24 मई,2019 बालगृह वार्षिक उत्सव–2019 एवं "राज बाबू स्मृति हाल" का लोकार्पण।

25 जुलाई,19 "बाल शोषण" विषय के अन्तर्गत "आओ बात करें" द्वारा डा0 दीप्ति परवरिस संस्था।

29 नवम्बर,19 "कमला भार्गव पुस्तकालय एवं बाचनालय" की स्थापना।

08 मार्च,2020 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर" महिला सशक्तिकरण" संगोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान समारोह।

2020–21

03 जुलाई,2020 मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कोविड–19 परीक्षण कार्यक्रम।

13 फरवरी,2021 निःशुल्क नेत्र परीक्षण कार्यक्रम, इरा विश्वविद्यालय।

08 मार्च, 2021 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिला नेतृत्वः कोविड–19" विषयक संगोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान समारोह।

2021–22 कोविड–काल प्रभावी

2022–23

24 मई, 2022 बालगृह का वार्षिक उत्सव–22 बच्चो का सम्मान तथा हाल का लोकापर्ण।

14 नवम्बर,2022 बाल दिवस सामारोह एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

07 मार्च,2023 मिशन वात्सल्य"पोषण 2.0 के अन्तर्गत स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधियों का वितरण।

प्रस्तावना

परिषद बाल कल्याण के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था है। विगत 70 वर्षो से बाल कल्याण से सम्बन्धित कार्यक्रमों के संचालन में बच्चों के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु अनवरत प्रयास कर रही है। परिषद बच्चों को सही मार्ग दर्शन प्रदान करने तथा स्वस्थ नागरिक बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निर्वाह कर सके इसका सबल प्रयास करती है। चूँकि बच्चे समाज एवं देश का भविष्य है इसलिए परिषद उन बच्चों की ओर विशेष रूप से अपना ध्यान आकृष्ट करती है जोकि मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित है ऐसे बच्चों की शिक्षा, दीक्षा, पुर्नवास तथा स्वावलम्बी बनाने की दिशा में कार्य करने हेतु कृत संकल्प है। परिषद ऐसे कार्यक्रमों के संचालन में अधिक से अधिक बल देती है जोकि बच्चों के अधिकारों को महत्ता प्रदान करते हैं और बच्चे अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके।

बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सन् 1953 में परिषद का उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद के नाम से रजिस्ट्रेशन हुआ। 1950 में यह संस्था स्टेट कमेटी फार चिल्डन के नाम से कार्य कर रही थी। परिषद ने विगत 70 वर्षो का सफर निरन्तर बच्चों से सम्बन्धित कार्यक्रमों के संचालन में निष्ठा एवं लगन से तय किया है जिसमें उसने सफलता तथा सराहना की अनगिनत सीढ़ियां चढ़ी है। समय समय पर प्रोत्साहन भी प्राप्त किया है।

इस क्रम में परिषद द्वारा बाल कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु भारत सरकार ने 1981 में राष्ट्रीय पुरस्कार से परिषद को गौरवान्वित किया तथा सन 1993 में भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली द्वारा परिषद को राधारमण एवार्ड से सम्मानित किया। इस प्रकार गैर सरकारी संस्थाओं में परिषद, ने प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

परिषद अपनी सहयोगी जिला परिषदों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के माध्यम से कार्यक्रम का सुचारू रूप से सफलता पूर्वक संचालन कर रही है।

एडाप्शन सेन्टर :–

यह केन्द्र विभिन्न संस्थाओं/एडाप्शन तथा व्यक्तिगत दानदाताओं के आर्थिक सहयोग से दिनांक 16 जुलाई,1987 को लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह परिसर में एडाप्शन सेन्टर नाम से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परित्यक्त/निराश्रित बच्चों को आश्रय देकर उनका समुचित पालन पोषण करके उन्हे ऐसे निःसन्तान परिवारों को कानूनी रूप से गोद दिया जाता है, जहॉ उन्हे संवेदात्मक व भावनात्मक सहानुभूति प्राप्त हो सकें एवं उनका शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा शैक्षिक दृष्टि से सम्पूर्ण विकास हो सकें।

गोद लेने की प्रक्रिया का सबस प्रमुख मुद्दा है–कानून, जिसमें गोद लेने की प्रक्रिया के प्रत्येक बिन्दु पर काफी बारीकी से विचार–विमर्श कर निर्णय लिया जाता है तदनुसार ऐसे परित्यक्त एवं निराश्रित बच्चों को निःसन्तान दम्पत्ति को कानून के आदेशानुसार गोद दिया जाता है। बच्चों को गोद/संरक्षण देते समय सर्वोच्च न्यायालय तथा सेन्ट्रल एडाप्शन रिसोर्स अथोरिटी द्वारा निर्देशित प्रक्रिया का गम्भीरता से पालन किया जाता है।

वर्तमान समय में गोद देने हेतु किशोर न्याय अधिनियम 2015 प्रचलित है। अभिभावकों को उक्त अधिनियम् के अनुसार ही गोद की कार्यवाही प्रतिपादित की जाती है।

आरम्भिक आवासित बच्चे–		22
(क) वर्ष में नये प्रवेश	7 बच्चे	
(ख) परिवार में वापसी	1 "	
(ग) गाद देकर पुनर्वासित (भारतीय एडाप्सन–3, विदेशी 2)	5	
(घ) मत्यु	1	
		————
(ड) वर्तमान में आवासित		22 बच्चे
		————

एडाप्शन सेन्टर में एक एडाप्शन आफीसर, अधीक्षिका, एक अंशकालिक नर्स, एक पार्ट टाइम शिक्षिका, 4 आया दिन में तथा 2 आया रात्रि में और 1 सफाई कर्मचारी तथा 1 धोबी, कार्यरत हैं।

बच्चों को केन्द्र के अन्दर शिक्षाप्रद बाल फिल्म एवं वीडियोगेंम की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बच्चों को चैनल के माध्यम से कवितायें एवं ABCD, गिनती, पहाड़ा इत्यादि भी सिखाये जाते है। केन्द्र में पारिवारिक वातावरण बनाये रखने के प्रयास किये जाते हैं जिससे केन्द्र में रह रहे बच्चों को स्नेह व सुरक्षा का अनुभव होता रहे तथा उनके सर्वागीण विकास में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो।

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह,

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह, मोतीनगर, लखनऊ की स्थापना वर्ष 1955–56 में तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गॉधी द्वारा भवन का शिलान्यास कर भवन निर्माण एवं संस्था का संचालन प्रारम्भ हुआ। संस्था केन्द्रीय अधिनियम और अन्य पूर्त आश्रम (पर्यवेक्षण और नियन्त्रण) अधिनियम, 1960 की धारा 16(1) छः के अन्तर्गत, अध्यक्ष, उ0प्र0 नियन्त्रण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग, उ0प्र0 मोती महल, लखनऊ से मान्यता प्राप्त है तथा किशोर अधिनियम (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अनिधनियम 2000 (यथा संशोधित–2006) की धारा 34 (3) एवं तद् सम्बन्धी नियमावली–2007 के नियम–71(1) के अन्तर्गत पंजीकृत है तथा किशोर अधिनियम–2015 का पालन किया जाता है। मान्यता की क्षमता, वर्तमान में 75 बालिकाओं की है। इस समय 69– बच्चे संस्था में पंजीकृत हैं। पंजीकृत संवासिनियों को बालगृह में रहने–खाने की सुविधा के अतिरिक्त शिक्षा स्थानीय विद्यालय बालिका विद्यालय, महाराजा अग्रसेन विद्यालय, सोहनलाल बालिका विद्यालय, नवयुग कन्या विद्यालय, चिकित्सा के लिए स्थानीय चिकित्सालय यथा– हरभज कृपा ट्रस्ट बलरामपुर अस्पताल एवं महात्मा गॉधी चिकित्सालय द्वारा कराया जाता है। आवासित बच्चों का पुर्नवासन– नौकरी, विवाह एवं अभिभावक /माता–पिता/संरक्षक को हस्तगत कर कराया जाता है।

इन बच्चों के चहुमुखी विकास के लिए बालगृह में पारिवारिक, नैतिक, अध्यात्मिक एवं संवेगात्मक वातावरण में रक्खा जाता है। बालगृह परिसर में बालिकाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं संगीत–शिक्षा का भी प्राविधान सुनिश्चित किया गया है। शैक्षिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

वार्षिक परीक्षा परिणाम–हाईस्कूल 2023

क्र.सं.	नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	प्रतिशत	श्रेणी	विशेष योग्यता
1.	कु0 कल्पना रावत	444/600		74 प्रतिशत	प्रथम	2 विषय–अग्रेजी,गृहविज्ञान
2.	कु0 लक्ष्मी वर्मा	416/600		69.3 प्रतिशत	प्रथम	3 विषय–अग्रेजी, गृहविज्ञान ,सामाजिक विज्ञान

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का निम्नानुसार आयोजन किया गयाः–

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम	जिसके द्वारा कार्यक्रम किया गया	लाभान्वित बालिकाऐं
1.	24.05.2022	पद्मश्री रानी लीला रामकुमार भार्गव 100वें जन्मदिन की स्मृति में वार्षिक उत्सव–2022	उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद, मोती महल, लखनऊ।	69 बालिकाऐं
2.	30.05.2022	डेन्टल चेकप कैम्प	डा0 आयूषी भरद्वाज	69 बालिकाऐं
3.	01.06.2022	शैक्षिक भ्रमण	कु0 अदिति गुप्ता	30 बालिकाऐं
4.	07.06.2022	शैक्षिक भ्रमण	यूथ हास्टल्स एसोसियेशन आँफ इण्डिया, लखनऊ	30 बालिकाऐं
5.	12.07.2022 से 02.08.2022	सामाजिक कार्य	कु0 निष्ठा दीक्षित	72 बालिकाऐं
6.	12.07.2022 से 02.08.2022	सामाजिक कार्य	कु0 मुस्कान मित्तल	70 बालिकाऐं
7.	02.08.2022	मेकप ट्रेनिंग	श्रीमती एकता श्रीवास्तव	30 बालिकाऐ
8.	26.09.2022	टेराकोटा प्रशिक्षण	आनन्दिमाँ हस्तकला केन्द्र	35 बालिकाऐ
9.	19.10.2022	Hospitality & Travel management	Frorkfinn Institute of air hostess training	69 बालिकाऐं
10.	14.11.2022	बाल दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता	उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद, मोती महल, लखनऊ।	50 बालिकाऐं
11.	07.03.2023	मिशन वात्सल्य "पोषण 2.0 के अन्तर्गत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि	क्षेत्रीय आयुर्वेदिक संस्थान 108, सेक्टर–25 इन्दिरा नगर, लखनऊ।	70 बालिकाऐं
12.	18.03.2023	होलिकोत्सव	एन0सी0डब्लू0आई0यू0पी0 एवं अन्य संस्थाऐं	71 बालिकाऐं

बालगृह के कर्मचारियों में कार्यक्रम समन्यवक, अधीक्षक, रसोइया, सफाई कर्मचारी, चौकीदार एवं गार्ड कार्यरत् हैं। संवासिनियों के संगीत कला–शिक्षा हेतु एक कुशल संगीत प्रशिक्षिका है। बच्चों की शैक्षिक कठिनाइयों को दूर करने हेतु पूर्णकालिक अध्यापिका की व्यवस्था को गयी है तथा अन्य स्वंयसेवी संस्थाओं के सहयोग से सप्ताहिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। संवासियों को रोजगारोन्मुख विशेष प्रशिक्षण यथा–कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई–कढ़ाई, चिकन कारी एवं विभिन्न हस्तशिल्प विधाओं का कोर्स पूर्ण कराया जा रहा है। संस्था, मॉ नवशक्ति समिति द्वारा आयोजित एक वर्षीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण पूर्ण किया गया जिसके अन्तर्गत 21 बालिकाओं को लाभान्वित किया गया।

संस्थागत रूप से अन्तःवासियों की स्थिति निम्नवत् रहीः–

1 अप्रैल, 2022–23 को प्रारम्भिक संवासिनी	59 संवासिनी
1. कुल नये प्रवेश	117 संवासिनी
2. पुर्नवासन	
(क) दूसरी संस्था में स्थानान्तरित	23 संवासिनी
(ख) माता/पिता/संरक्षक/अभिभावनक को सौपकर	84 संवासिनी
(ग) विवाह के माध्यम से	कोई नही
(घ) नौकरी के माध्यम से	कोई नही
(ड़) मृत्यु	कोई नही
3. संस्था में आवासित संवासिनियों की संख्या	69 संवासिनी

—: वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम :—

परिषद के प्रस्ताव दिनांक 16 सितम्बर, 2011 के अनुपालन में तत्त्कालीन संस्थाध्यक्ष स्व0 पद्मश्री रानी लीला रामकुमार भार्गव के कर कमलो द्वारा दिनांक 22 जून,2013 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अन्तःवासियों हेतु मान्यता अनाथालय और अन्यपूर्ति आश्रम (पर्यवेक्षण और नियन्त्रण) अधिनियम 1980 की धारा 15 (1) द्वारा प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए 25 महिलाओं हेतु प्राप्त की गयी है।

"वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम" में निम्न प्रकार से निराश्रित महिलाओं को लाभ पहुँचाया जायेगा, का निर्धारण—नियम व प्राविधान कार्यक्रम नियमावली में संरक्षित किये गयें हैः— "

—— जिसकी आयु 22 वर्ष से अधिक पूर्ण कर चुकी हों।

—— जिनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो।

—— जो कम से कम साक्षर हो।

—— जिन्हें संस्था के नियम व प्राविधानों में विश्वास हो।

उपलब्ध सुविधाऐंः—

आश्रम में निम्नलिखित सुविधाओं को प्रदान किया जाता हैः—

1. स्वच्छ एवं हवादार शयनकक्ष, स्वाध्याय एवं पूजा कक्ष, रसोई एवं सुलभ शौचालय, स्नानागार।
2. पोषाहार नियमित मीनू के अनुरूप ।
3. निर्धारित दैनिक—कार्यक्रम (शीत कालीन एवं ग्रीष्म कालीन) का क्रियान्वयन।
4. सामान्य स्वास्थ्य सेवाऐं। स्थानीय चिकित्सालयों से सम्बद्धता।
5. मनोरंजन हेतु टी0वी0 एवं पुस्तकालय की व्यवस्था।
6. संवेगात्मक, सुरक्षात्मक एवं परिवारिक वातावरण की उपलब्धता।
7. जीवन के अन्तिम अवस्था में समस्त वैदिक क्रियाकलापों का निर्वहन।

वृद्ध एवं निराश्रित महिलाओं के क्रिया कलापोः—

कार्यक्रम की परिकल्पना के अनुरूप दादी, नानी, चाचा, मौसी के रिश्ते आचार विचार के पोषण अतिरिक्त दैनिक क्रिया कलापों में निम्न बिन्दुओं को समाहित किया गया जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हो रहें हैः—

—— वृद्ध एवं निराश्रित महिलाओं को अपने अनुभवी जीवन के अतिरिक्त बच्चों को खेल—कूद आन्तरिक एवं वाह्य क्रिया कलापां में सहयोग सुनिश्चित करना।

—— निर्धारित क्रिया कलापों में वांछित सहयोग प्रदान करना।

—— दैनिक नियत क्रिया कलापों में सहभागिता सुनिश्चित करना।

संस्थागत अन्तःवासियों की स्थिति वर्ष 2022–23

1 अप्रैल,2022 को आरम्भ्क अन्तवासी – 07 महिलाऐं

(1) वर्ष में प्रवेश– 03 महिलाऐ

(2) वर्ष में पुर्नवासन 04 महिलाऐं

(क) परिवार को सौपकर 03 महिलाऐ

(ख) विवाह कोई नही

(ग) मृत्यु 01 महिलाऐं

(3) संस्था में अन्तःवासियों का संख्या ——————————

6 महिलाऐं

——————————

महिलाओं एवं बच्चों के लिए चिकित्सालय :–

परिषद द्वारा लखनऊ जनपद के मोतीनगर परिक्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से कमजोर बच्चों एवं महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सा के लिए एक होम्योपैथिक चिकित्सालय वर्ष 1987 में स्थापना की गयी है।

चिकित्सालय को निराश्रित बालगृह मोतीनगर, लखनऊ के परिसर में चल रहा है इस चिकित्सालय में होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा होती है। यहां के डा0 टी0एस0 शुक्ला कुशल अनुभवी व निःस्वार्थ सेवा भावना से कार्य कर रहे है। महिलाओं व बच्चों का इलाज निःशुल्क, गणमान्य व्यक्तियों के यथोचित सहयोग से चलता है। सेवित रोगियों की संख्या–2,233 मरीज है।

होम्योपैथिक चिकित्सालय में सेवित रोगियों का विवरण

माह	नये रोगी	पुराने रोगी	कुल रोगी
अप्रैल, 2022	36	107	143
मई, 2022	52	135	187
जून, 2022	47	142	189
जुलाई, 2022	42	135	177
अगस्त, 2022	45	108	153
सितम्बर, 2022	40	139	179
अक्टूबर, 2022	48	146	194
नवम्बर, 2022	54	165	219
दिसम्बर, 2022	37	138	175
जनवरी, 2023	57	162	219
फरवरी, 2023	46	125	171
मार्च, 2023	65	162	227
	569	1664	2233 मरीज

निःशुल्क चिकित्सालय में अस्थमा, टांन्सलइटिस, माइग्रेन, स्त्रीरोग एवं बच्चों के पुराने रोगो के साथ, त्वचा सम्बन्धी रोग इत्यादि का भी सफलता पूर्वक इलाज किया जाता है।

बालगृह उत्सव–2022

परिषद के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री स्व0 रानी लीला रामकुमार भार्गव की 100 वे जन्म दिन की स्मृति में "लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह, का वार्षिक उत्सव–2022, दानदाता तथा अन्तःवासियों बच्चों का सम्मान एवं हाल का उद्धघाटन" का कार्यक्रम निर्धारित प्रारूप के अनुसार नियत समय से प्रारम्भ किया। उद्धघोषिका महोदया ने कार्यक्रम का संचालन परिचय के साथ–साथ संचालित किया। मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल महोदया का आगमन, श्रीमती रीता सिंह डा0 एस0एस0 डंग तथा डा0 दिनेश शर्मा नेगेट पर पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया गया। श्रीमती पद्मा गिडवानी द्वारा सरस्वती वन्दना "अस्तो माँ सद गमय" दीप प्रज्जवलन कर स्व0 रानी साहिबा के संस्मरणो को याद किया गया। उसके बाद मुख्य अतिथि महोदया द्वारा "विकास मित्तल के स्मृति में नवनिर्मित हाल" का उद्धघाटन फीता काट कर किया गया। मंच व्यवस्था के अनुरूप माननीय अतिथियों को स्थान प्रदान कराया गया। मुख्य अतिथि को आम का पौधा एव माननीय डा0 दिनेश शर्मा को रूद्राक्ष का पौधा उपहार स्चरूप भेट किया गया।

परिषद की महासचिव श्रीमती रीता सिंह ने स्वागत करते हुए संस्था की संक्षिप्त आख्या से सभी को अवगत कराया कि आज के पावन अवसर पर परिषद की पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री स्व0 रानी लीला रामकुमार भार्गव के 100वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आपसभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूॅ। प्रमुख रूप से मंचासीन राज्यपाल/अध्यक्ष उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद, विशिष्ट अतिथि डा0 दिनेश शर्मा, पूर्व उप मुख्य मन्त्री उ0प्र0 हमारे सभी आमन्त्रित सदस्य एवं पदाधिकारीगण, सहयोगी एवं प्रिय बच्चे।

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव–2022 को मनाने के पीछे रानी साहिबा का मुख्य आर्शीवाद है जिसे वर्तमान स्थिति तक पहुंचाने में उनकी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके आर्शीवाद स्वरूप बालगृह नित नयी कल्याणकारी कार्यक्रमों से निर्धन एवं अपने को असहाय महसूस करने वाले बच्चों की सहायता प्रदान कर नियत लक्ष्य की पूर्ति का सार्थक प्रयास कर रही है।

संस्था का ध्येय मंत्रः–

" दुखी जनो से सहानुभूति, निर्बल को बल तथा जरूरत मन्दो की सहायता"

बालगृह परिसर में आवासित बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए समस्त आवश्यक संसाधन यथा– पारिवारिक, नैतिक, अध्यात्मिक एवं सम्पूर्ण सुरक्षित वातावरण की उपलब्धता चिकित्सीय सहायता सहित उपलब्ध करायी जाती है।

इस हेतु विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, विद्यालयों के बच्चों के सहयोग से नित नवीन जानकारियाँ उपलब्ध कराकर व्यक्तिगत–व्यक्तित्व विकास का प्रयास किया जाता है। रोजगारपूरक कार्यक्रम के अन्तर्गत

1. कम्प्यूटर शिक्षा कोर्स 08 बालिकाऐं
2. ब्यूटी पार्लर कोर्स 24 बालिकाऐं

संस्था परिसर की सुरक्षा हेतु 11 कैमरों का प्रबन्ध किया गया।

प्रगति आख्या, 2021–22

(1 अप्रैल,2021 से 31 मार्च,2022 तक)

1. लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृहः–

(क) नय प्रवेश 105 बालिकाऐं

(ख) माता पिता को सौपकर 87 बालिकाऐं

(ग) वर्तमान में आवासित 80 बालिकाऐं

2. एडाप्सन सेन्टरः–

(क) नये प्रवेश 02 बच्चे

(ख) गोद देकर पुर्नवासित 05 बच्चे

(भारतीय एडाप्सन में 04 विदेशी–01)

(ग) वर्तमान में आवासित बच्चों की संख्या 20 बच्चे

3. वृद्ध एवे निराश्रित महिलाश्रमः–

प्रवेश कोई नही

परिवारीजनों को सौपकर

पुर्नवान कोई नही

अन्य संस्था में पुर्नवासन 01 महिला

संस्था में आवासित 07 महिलाऐं

शैक्षणिक सत्र 2021–22 में अन्तःवासियों ने उत्कृर्ष प्रदर्शन(हाईस्कूल एवे इण्टर के बच्चों को छोड़कर) किया गया। जिनमें से चयनित 13 बालिकाओं को माननीय मुख्य अतिथि महोदय के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

परिषद के कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है कि पदाधिकारियों, सहयोगियों एवं दानदाताओं के अपेक्षित सहयोग के फलस्वरूप वास्तविक लाभार्थियों को वांछित लाभ पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। हम संस्था की ओर से सभी दानदाताओं एवं आमन्त्रित महानुभावों का सहृयपूवर्क सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

डा0 एस0एस0एस0 डंग, सभापति महोदय ने रानी साहिबा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे सदैव प्राप्त धन के सदुपयोग पर विशेष ध्यान देती थी। उनका मानना था कि दाहिने हाथ से दान देते हो तो बाऐं हाथ को पता नही चलना चाहिए। रानी साहिबा 92 वर्ष की आयु में भी अपनी चिन्ता न कर समाज की अधिक चिन्ता करती थी।

श्रीमती प्रतिमा बाजपेई ने परिषद एवं एन0सी0डब्लू0आई0, उ0प्र0 की संक्षिप्त इतिहास पर प्रकाश डालते हुए प्रगति आख्या की प्रस्तुत किया। श्रीमती रीता पाण्डेय ने रानी साहिबा के कृतित्व व उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पवित्र संस्मरणों की प्रस्तुति की।

माननीय मुख्य अतिथि महोदय एवं एवं विशिष्ट अतिथि डा0 दिनेश शर्मा, ने निम्नलिखित बच्चों को परीक्षा सत्र–22 में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित कियाः–

क्र.सं.	नाम	कक्षा	प्राप्तांक	प्रतिशत	श्रेणी
1.	कु0 सिया	कक्षा–4	1200/976	81/प्रतिशत	प्रथम
2.	कु0अनुराधा जायसवाल	कक्षा–5	1200/1012	84.33/प्रतिशत	प्रथम
3.	कु0 अंशु वर्मा	कक्षा–5	1200/1003	83.58/प्रतिशत	द्वितीय
4.	कु0रिया जयासवाल	कक्षा–5	1200/915	7625/प्रतिशत	तृतीय
5.	कु0 आंचल मौर्या	कक्षा–5	1200/903	75.33/प्रतिशत	तृतीय
6.	कु0 सरिता मिश्रा	कक्षा–6	1200/1014	86.33/प्रतिशत	प्रथम
7.	कु0 रिया शर्मा	कक्षा–6	1200/1002	82.58/प्रतिशत	द्वितीय
8.	कु0 शालिनी	कक्षा–6	1200/901	73.23/प्रतिशत	तृतीय
9.	कु0 दिव्या नौरसिया	कक्षा–7	1200/1011	83.33/प्रतिशत	प्रथम

10.	कु0 मुस्कान	कक्षा–7	1200 / 900	72.33 / प्रतिशत	द्वितीय
11.	कु0 शीतला	कक्षा–8	1200 / 1015	87.33 / प्रतिशत	प्रथम
12.	कु0 कल्पना रावत	कक्षा–9	600 / 452	75.3 / प्रतिशत	प्रथम
13.	कु0 लक्ष्मी वर्मा	कक्षा–9	600 / 414	69 / प्रतिशत	प्रथम

सभी ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही दानदाता श्री चन्द्र गोपाल मित्तल को दान हेतु सम्मानित किया गया। जिनके सहयोग से "विकास मित्तल की स्मृति में नव निर्मित हाल" का निर्माण कराया गया।

बालगृह की संवासिनियाँ क्रमशःमाही,आंचल, अंशु, रिया, संजना, दिव्या, मुस्कान, रिया द्वितीय द्वारा सामूहिक नृत्य एवं गायन प्रस्तुति किया:–

नृत्य	(क)	मोह मनघट में नन्दलाल, छेड़ गयो रे
	(ख)	नृत्य घर मोहे परदेसिया, आओ प्यारे पिया
भजन	(ग)	महल घर नाचत है गणपति।

बच्चों की मनोहारी प्रस्तुतियों की सभी ने सराहना की।

विशिष्ट अतिथि माननीय डा0 दिनेश शर्मा, पूर्व उप मुख्यमंत्री ने रानी माँ के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि आज उनकी बनायी हुई पौध सभी जनहित कार्यो को निर्वाध रूप से आगे बढ़ा रहे हैं दिखाई दे रहा है कि बेटी व बहू उनके क्रिया कलापों को आगे बढ़ा रही हैं। यह सराहनीय कार्य है कि शोषित एवं वांछित लोगो की सेवा निर्वाध रूप से की जाय। श्री शर्मा जी ने अपनी माँ के प्रकरण पर भी प्रकाश डाला कि रानी साहिबा के अविश्मर्णीय सहयोग से यहाँ तक पहुंचे। माननीय अटल जी भी रानी साहिबा के व्यक्तित्व से भी प्रभावित थें। वह अकसर कहते थे कि रानो साहिबा समाज सेवा के प्रति समर्पित रही।

माननीय राज्यपाल महोदया, मुख्य अतिथि ने रानी साहिबा के संस्मरणों को याद करते हुए आयोजकों एवं बच्चों की प्रस्तुतियों हेतु बधाई दी। रानी साहिबा के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि समाज के नागरिकों को सही मार्गदर्शन, सही नागरिक बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास है। समाज को नित ऐसी दुष्कर घटनाओं को भुगतना पड़ता है।

माता–पिता बच्चों को जन्म देने के उपरान्त छोड़ देते हैं। कई ऐसी महिलाऐं हैं कि आज भी बच्चों में असमानता का भाव रखते हैं बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ एवं विकास में अरूचि रखते हैं। संस्था के बच्चे उचित वातावरण में कोई कला, संगीत, चित्रकारी, वक्ता के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्धकर आगे बढ़कर अच्छा जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

अब हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है कि अपनी कमाई का थोड़ा हिस्सा इन बच्चों को दिया जाय। जिसके फलस्वरूप बच्चे अच्छे नागरिक बन सके। मुझे संस्था में दूसरी बार आने

का अवसर मिला। मेरी संज्ञान में है कि संस्था संचालन में वित्तीय स्थिति की विषमताओं व कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह सही है कि सी0आर0एस0 से दान प्राप्त करे का प्रयास करना चाहिए यथा व्यापारिक महासंघ यूनियन, इण्डस्ट्रीज एवं अन्य संस्थाए। ऐसी संस्थाओं से मदद के लिए हम भी आवाहन करेंगें।

मुख्य अतिथि महोदया ने बच्चों के विकास में अभिवृद्धि हतु रू05,00लाख की आर्थिक सहयोग राशि दान स्वरूप प्रदान किया। बच्चों का विकास समाज में अपनी महती भूमिका अदा करें।

बच्चों को पुनः सराहना एवं आर्शीवाद।

श्रीमती ज्योति कौल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं बच्चों की सराहना करते हुए सभी से सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। डा0 कमला श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय गान के साथ ही कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गयी।

———————
———————
————

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
शिल्प कौशल प्रशिक्षण सिलाई एवं कटिंग

उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद द्वारा राजा साहब की गढ़ी भरावन, सण्डीला, हरदोई एवं मों0 असरफ टोला सण्डीला, हरदोई में क्षेत्रीय महिलाओं एवं बालिकाओं को शिल्प कौशल प्रशिक्षण भरावन सत्र दिनांक 15.10.2021 से 17.05.2023 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल–178 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण–सत्र में निम्नलिखित दैनिक उपयोगी सामगी का निर्माण करना सिखाया गयाः–

"1.बेबी नैपकिन 2. बिव 3. बेबी चड्ढ़ी 4. नेकर 5. ब्लूमर 6. बेबी समीज 7. मोगरा कट झबला 8. डोरी वाला झबला 9. आस्तीन वाला झबला 10. बन्द गला वाला झबला 11 बेबी फ्राँक 12. अम्ब्रेला फ्रांक 13 तीन कली वाला फ्राक 14. पाइपिन फ्राक 15 कलीदार फ्राक 16. पायजामा 17. सादी फ्राक 18 बेल्ट वाली फ्राक 19 लगोटी वाली सलवार 20 सादा पेटीकोट 21 चार कली पेटीकोट 22 छःकली का पेटीकोट 23. सादी कुर्ता 24. समीज 25 प्लाजो 26. टाउजर 27 विप"।

<u>लाभार्थी विवरण–2022–23</u>

<u>भरावनः–</u>

प्रथम सत्र ––– 15 अक्टूबर,2021 से 25 जनवरी, 2022 तक 23 बालिकाऐ

द्वितीय सत्र––– 15 जनवरी,2022 से 25 अप्रैल, 2022 तक 26 बालिकाऐ

तृतीय सत्र ––– 25 अप्रैल, 2022 से 25 जुलाई, 2022 तक 32 बालिकांऐ

चतुर्थ सत्र ––– 25 जुलाइ, 2022 से 08 सितम्बर,2022 तक 07 बालिकांऐ

पंचम सत्र –––22 नवम्बर ,2022 से 22 फरवरी,2023 तक 10 बालिकाऐं

षष्टम् सत्र –––25 फरवरी, 2023 से 17 मई, 2023 तक 17 बालिकाऐं

कुल– 115 बालिकांऐ

<u>सण्डीलाः–</u>

प्रथम सत्र––––– 14 अगस्त,2022 से 14 अक्टुबर, 2022 तक 20 बालिकाएं

द्वितीय सत्र ––––– 19 दिसम्बर 2022 से 23 फरवरी,2023 तक 20 बालिकाए

तृतीय सत्र ––––– 28 फरवरी, 2023 से 05 मई, 2023 तक 23 बालिकाऐं

कुल 63 बालिकाऐं

शुद्ध योग–178 बालिकाऐं

प्रशिक्षण सत्रो के समापन पर लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र का वितरण केन्द्र प्रभारी द्वारा किया गया।

–:छात्रवृत्ति योजनाः–

भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से गतवर्ष की भॉति इस वर्ष भी छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत निम्न श्रेणी के लाभार्थियों को लाभान्वित किया गयाः–

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार	0 बच्चे
अन्य सामान्य	15 बच्चे
कुल	15 बच्चे

जिला बाल कल्याण समितिः–

इस समय परिषद 31 जनपदीय शाखायें विभिन्न जनपदों में तथा 14 पंजीकृत संस्थाये हैं जो उत्साह पूर्वक अपने कार्यक्रमों को कुशल पूर्वक चला रही है।

अन्धता निवारण कैम्प वर्ष– 2022–23

परिषद एवं एन0सी0डब्लू0आई0 यू0पी0 महिला विकास केन्द्र के सहयोग से "राष्टीय अन्धता निवारण मिशन" के अन्तर्गत जनपद, लखनऊ, उन्नाव, हरदोई एवं सीतापुर क 2015 लाभार्थियों में से 1880 मरीजों का मोतियाबिन्द आपरेशन करवा कर निःशुल्क चश्मा एवं दवाओं का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम दिनांक 30.03.2023 तक किया गया।

दिनांक	आपरेशन मरीजों की संख्या	आयुषमान भारत मरीजों की संख्या	बी0सी0आर मरीजों की संख्या	योग
11.09.2022	196	———	———	196
10.10.2022	82	08	03	93
30.10.2022	86	10	04	100
20.11.2022	61	16	05	82
04.12.2022	379	60	10	449
22.12.2022 से	165	04	23	192
30.12.2022 तक	387	65	11	463
04.01.2023	49	11	06	66
30.01.2023	43	——	——	43
05.02.2023	51	13	03	67
20.02.2023	70	20	04	94
03.03.2023	43	———	———	43
	1,612	207	69	1880

विशेष उपरोक्त के अतिरिक्त कानिर्या, नासूर एवं पलक बन्दी के 185 मरीजो का इलाज निःशुल्क किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता

परिषद द्वारा राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता हेतु दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन बच्चों में छिपी हुई प्रतिभाओं को उभारना तथा आत्मविश्वास की भावना के विकास की पूर्ति हेतु कियागया। इस प्रतियोगिता में संस्था द्वारा संचालित लीलावती मुन्शी निराश्रित के 46 बालिकाऐं, बाल भारती स्कूल एवं जिला बाल कल्याण परिषद, कानपुर की कुल संकलित–86 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। परिक्षणोपरान्त प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कारों का वितरण किया गयाः–

(I) समूह आयु वर्ग 05 से 09 वर्ष तक

i. कु0 आंचल निषाद	प्रथम
ii. कु0 आराध्या वर्मा	द्वितीय
iii. कु0 जान्हवी श्रीवास्तव	तृतीय
iv. कु0 आस्था	सानत्वना

(ii) सफेद समूह वय वर्ग 10–16 वर्ष तक

i. कु0 अनुष्का	प्रथम
ii. कु0 गौरी चौरसिया	द्वितीय
iii. कु0 अवजीत शुक्ला	तृतीय
iv. कु0 प्रियाशी	सानत्वना

परिषद के विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 का वृद्धहस्त रहा है एवं उनके मार्ग दर्शन के कारण सभी परियोजनाओं के संचालन के मार्ग में हार्दिक आभार प्रकट करते हुए आशान्वित हूँ कि भविष्य में भी उनकी छत्र छाया तथा नेतृत्व परिषद क प्रगति पथ पर चलाने में सहायक होती रहेगी। मैं, परिषद के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों के प्रति भी हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ। जिन्होने कार्यक्रम के संचालन में अपेक्षित सहयोग प्रदान करके अनुकर्णीय कार्य किया।

प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, उ0प0, राज्य सरकार तथा भारत सरकार के उन सभी विभागों को आभार प्रकट करती हूँ जिनके सहयोग तथा मार्ग दर्शन एवं नियमित रूप से अनुदान प्रदान कर संचालित कार्यक्रमों में अपना सहयोग प्रदान किया। जिसके फलस्वरूप सफलता पूर्वक कार्यक्रम संचालित किये जाते रहे हैं।

मैं, परिषद से सम्बद्ध उन सभी सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं से आशा करती हूँ कि समय समय पर परिषद को बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु अपने बहुमूल्य विचार तथा मार्ग दर्शन से लाभान्वित करते रहेंगें।

रीता सिंह
महासचिव

आगामी कार्यक्रम वर्ष 2023–24

1. बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कुपोषण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम।
2. समयिक संकट ग्रस्त बालिकाओं का संरक्षण एवं पुर्नवासन।
3. " सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम," संयुक्त चिकित्सा शिविर।
4. दिव्यांग जनों का पुर्नरोद्वारण कार्यक्रम।

सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम 2022–23

वृद्ध एवं निराश्रित महिलाश्रम 2022–23

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह के बच्चों द्वारा योगा कार्यक्रम का आयोजन–2022–23

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह के बच्चों द्वारा खेल करते हुए

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह के बच्चों के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन–2022–23

एडाप्सन सेन्टर में स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए 2022–23

अन्धता निवारण कैम्प 2022–23

जागरण सिटी लखनऊ

IV दैनिक जागरण लखनऊ, 5 सितंबर, 2022

उप्र बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित मोतीनगर के लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह की लड़कियों को मेहंदी लगाने एवं ब्यूटी पार्लर का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया था। एकता सेवा समिति द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद शुक्रवार को बालगृह की अधीक्षिका माया हंसा और प्रशिक्षणकर्ता एकता श्रीवास्तव की मौजूदगी में लड़कियों को प्रमाण पत्र दिए गए ● सौ. : समिति

बालगृह की बालिकाऐं मेहदी एवं व्यूटी पार्लर प्रतियोगिता के प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए।

अमर उजाला

बालगृह में मंगलवार को आयोजन के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 13 संवासिनियों समेत दानदाता गोपाल चंद्र मित्तल को सम्मानित किया। -संवाद

अपने लक्ष्य के लिए तय करें नए आयाम

पद्मश्री रानी लीला रामकुमार भार्गव की स्मृति में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल ने किया प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। नृत्य घर मोहे परदेसिया, आओ प्यारे पिया..., मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे..., महल घर नाचत हैं गणपति... समेत अन्य गीतों पर नौनिहालों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बालगृह के बच्चों को किया सम्मानित

वहीं, पद्मा गिडवानी ने सरस्वती वंदना व संवासिनियों माही, आंचल, अंशू, रिया, संजना, दिव्या, मुस्कान व रिया ने भजन व नृत्य से समां बांध दिया। मौका था, पद्मश्री रानी लीला रामकुमार भार्गव के 100 वें जन्मदिवस पर मंगलवार को लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह ऐशबाग में आयोजित वार्षिकोत्सव का। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रहीं। उन्होंने बालगृह की संवासिनियों के नृत्य व भजन की सराहना की।

बालगृह के वार्षिकोत्सव में बच्चों संग मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व डॉ. दिनेश शर्मा। -संवाद

उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नित नए आयाम तय करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पिछले शैक्षिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 13 संवासियों समेत दानदाता गोपाल चंद्र मित्तल को सम्मानित किया। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि बालगृह में पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चों का सक्रिय योगदान बेहद जरूरी है। इससे अन्य बच्चे प्रोत्साहित होकर आगे बढ़ते हैं। इस दौरान विकास मित्तल की स्मृति में नवनिर्मित हाल का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सभापति डॉ एस एस डंग, ज्योति कौल, रीता सिंह, सुधा मिश्रा, सरिता अग्रवाल, कांती गुप्ता, डॉ कमला श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संस्था अध्यक्ष माननीय राज्यपाल महोदय का बालगृह के बार्षिक उत्सव–22 में प्रतिभाग

www.jagran.com
दैनिक जागरण
जोश आगे बढ़ने का
लखनऊ, बुधवार, 3 अगस्त, 2022

राजकीय बालगृह बालिका के बाहर कराएं सफाई

मोतीनगर में बालगृह का निरीक्षण करतीं महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम • जागरण

जासं, लखनऊ : उप्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने मंगलवार को मोतीनगर के राजकीय बालगृह बालिका का निरीक्षण किया। बालगृह के बाहर कुछ दिनों से जलभराव व उससे उठती बदबू ने लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर रखी है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान बालगृह अधीक्षक सफलता ने जानकारी दी कि संस्था में 100 की स्वीकृति के सापेक्ष 89 किशोरियां हैं। वित्तीय वर्ष में 114 निराश्रित तथा 43 पाक्सो पीड़ित बालिकाओं समेत 157 बालिकाओं को पुनर्वासित कराया गया। अध्यक्ष ने संस्था के रसोई घर, डिस्पेन्सरी, आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह का भी निरीक्षण किया। इस दौरान आयोग की सदस्य मनोरमा शुक्ला, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह भी उपस्थित रहे।

उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का आकस्मिक निरीक्षण।